

प्रलिम्स फैक्ट: 01 जून, 2021

- [गोवा का स्थापना दविस](#)
- [ओपीवी सजग](#)

## गोवा का स्थापना दविस Statehood Day of Goa

30 मई को गोवा राज्य का स्थापना दविस (Statehood Day of Goa) मनाया गया ।



### प्रमुख बडि:

गोवा की भौगोलिक अवस्थिति:

- गोवा, भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट पर कोंकण के रूप में जाने जाने वाले क्षेत्र में स्थित है और भौगोलिक रूप से दक्कन उच्च भूमि से पश्चिमी घाट द्वारा अलग होता है ।

राजधानी:

- पणजी ।

**आधिकारिक भाषा:** इसकी अधिकारिक भाषा कोंकणी है जो [आठवीं अनुसूची](#) में शामिल 22 भाषाओं में से एक है ।

#### सीमाएँ:

- यह उत्तर में **महाराष्ट्र**, पूर्व और दक्षिण में **कर्नाटक** से घिरा हुआ है तथा **अरब सागर** इसके पश्चिमी तट का निर्माण करता है ।

#### इतिहास:

- जैसे ही भारत ने **15 अगस्त, 1947** को स्वतंत्रता प्राप्त की उसने पुर्तगालियों से अपने क्षेत्र को वापस लौटाने का अनुरोध किया परंतु पुर्तगालियों ने ऐसा करने से मना कर दिया ।
- राजनयिक प्रयासों की विफलता के बाद भारतीय नौसेना, वायु सेना और थल सेना द्वारा गोवा में '[ऑपरेशन वजिय](#)' चलाकर 19 दिसंबर, 1961 को इसे पुर्तगालियों से मुक्त करा लिया गया ।
  - प्रत्येक वर्ष 19 दिसंबर को भारत में [गोवा मुक्त दिवस](#) मनाया जाता है ।
  - उल्लेखनीय है कि पुर्तगाली भारत आने वाले पहले यूरोपीय (वर्ष 1498 में) और इस भूमि को छोड़ने वाले अंतिम (वर्ष 1961) थे ।
- 30 मई, 1987 में इस क्षेत्र को विभाजित किया गया और गोवा को पूर्ण राज्य तथा दमन और दीव को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया ।

#### भौगोलिक विशेषताएँ:

- गोवा का उच्चतम बंदु सोंसोगोर (Sonsogor) है ।
- गोवा के उत्तर में तेरेखोल नदी बहती है जो गोवा को महाराष्ट्र से अलग करती है, राज्य की अन्य प्रमुख नदियों में मांडवी, जुआरी, चपोरा, रखोल, गलगबिग, कुम्बरजुआ नहर, तलपोना और साल आदि शामिल हैं ।
- गोवा की अधिकांश मृदा आवरण लेटराइट से बना है ।

#### वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान:

- डॉ. सलीम अली पक्षी अभयारण्य
- [महादेई वन्यजीव अभयारण्य](#)
- [नेत्रावली वन्यजीव अभयारण्य](#)
- कोटगिओ वन्यजीव अभयारण्य
- [भगवान महावीर अभयारण्य](#)
- मोलेम नेशनल पार्क

---

## ओपीवी सजग

## OPV Sajag

हाल ही में **अपतटीय गश्ती पोत** (Offshore Patrol Vessel- OPV) **सजग** (Sajag) को **भारतीय तटरक्षक बल** (Indian Coast Guard- ICG) में शामिल किया गया है ।



#### प्रमुख बंदु:

#### सजग के संदर्भ में:

- यह गोवा शिपियार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित पाँच **OPV** में से तीसरा है । इसे [मेक इन इंडिया](#) पॉलिसी के तहत बनाया गया है ।

- अन्य चार ओपीवी भारतीय तटरक्षक पोत (ICGS) सक्रम, **ICGS सचेत**, **ICGS सुजीत** और **ICGS सार्थक** हैं।
- यह उन्नत प्रौद्योगिकी उपकरण, हथियारों और सेंसर से सुसज्जित है जो एक ट्वनि इंजन वाले हेलीकॉप्टर तथा चार उच्च गतिवाली नौकाओं को ले जाने में सक्रम है।
  - OPVs लंबी दूरी की सतह के जहाज़ हैं जो तटीय और अपतटीय गश्त, समुद्री क्षेत्रों की पुलसिंग, नयितरण तथा नगिरानी, तस्करी वरिधी एवं सीमति युद्धकालीन भूमिकाओं के साथ समुद्री डकैती वरिधी अभियानों हेतु सक्रम हैं।
- यह आने वाले वर्षों में अधिक-से-अधिक ज़मिमेदारियों का प्रबंधन करने में मदद करेगा और सकुशल, सुरक्षति तथा स्वच्छ समुद्र सुनश्चिति करने के साथ-साथ पड़ोस में समुद्री आपात स्थतियों के लयि तत्काल प्रतकिरयि देने के लयि ICGs समवर्ती एकाधिक संचालन क्षमता को मज़बूती प्रदान करेगा।

### भारतीय तटरक्षक बल (ICG):

- **इसके संदर्भ में:**
  - यह रक्षा मंत्रालय के तहत एक सशस्त्र बल, खोज और बचाव तथा समुद्री कानून प्रवर्तन एजेंसी है।
  - इसमें सतह और वायु संचालन दोनों के लयि कार्य करने के क्षमता है। यह **वशिव के सबसे बड़े तट रक्षकों** में से एक है।
- **स्थापना:**
  - इसकी स्थापना **18 अगस्त, 1978** को तटरक्षक अधनियम, 1978 द्वारा की गई थी। यह गैर-सैन्य कार्य करता है।
  - ICG के गठन की अवधारणा **वर्ष 1971 के युद्ध** के बाद अस्तित्व में आई तथा रुस्तमजी समतिद्वारा एक बहु-आयामी तटरक्षक के लयि दूरदर्शी खाका तैयार कयि गया था।
- **मुख्यालय:**
  - ICG का नेतृत्व महानदिशक भारतीय तटरक्षक (DGICG) करते हैं जो नई दल्लि में स्थति तटरक्षक मुख्यालय (CGHQ) से अपनी समग्र कमान और अधीक्षण का प्रयोग करते हैं।
- **अधिकार - क्षेत्र:**
  - सन्नहिति क्षेत्र और **अनन्य आर्थकि क्षेत्र** (Exclusive Economic Zone-EEZ) सहति भारत के क्षेत्रीय जल पर इसका अधिकार क्षेत्र है।
- **कार्य:**
  - भारत के समुद्री क्षेत्रों में **समुद्री पर्यावरण संरक्षण** के लयि उत्तरदायी।
  - भारतीय जल क्षेत्र में तेल रसिाव की प्रतकिरयि के लयि एक समन्वय प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है।
  - भारत के **समुद्री हतियों** की रक्षा करता है और इसके **समुद्री कानून** को लागू करता है।